Re-Accredited 'B++' 2.86 CGPA by NAAC
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના-મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Fax : +91 - 261 - 2227312
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

# –: પરિપત્ર :–

વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષયની તમામ અનુસ્નાતક અભ્યાસક્રમ ચલાવતી કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ તથા ડિપાર્ટમેન્ટનાં વડાશ્રીને જણાવવાનું કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૩–૨૪ થી અમલમાં આવનાર હિન્દી વિષયનો M.A.Sem.-II & IV( રેગ્યુલર) ના અભ્યાસક્રમ સંદર્ભે હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૦૮/૧૧/૨૦૨૩ ની સભાના ઠરાવ ક્રમાંક : ૨ અન્વયે કરેલ ભલામણ વિનયન વિદ્યાશાખાના અધ્યક્ષશ્રીએ વિદ્યાશાખાની મંજૂરીની અપેક્ષાએ વિદ્યાશાખાવતી કાર્યકારી ડીનશ્રીએ એકેડેમિક કાઉન્સિલને કરેલ ભલામણ એકેડેમિક કાઉન્સિલની તા.૦૭/૦૮/૨૦૨૩ ની સભાના ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૯૯ અન્વયે માન.કુલપતિશ્રીને આપેલ સત્તા અંતર્ગત માનનીય કુલપતિશ્રી દ્વારા મંજૂર કરેલ છે. જેનો અમલ કરવા આથી જાણ કરવામાં આવે છે.

**હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૦૮/૧૧/૨૦૨૩ ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ૨**

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૩–૨૪ થી અમલમાં આવનાર M.A.Sem.-2 અને 4 નો અભ્યાસક્રમ સર્વાનુમતે મંજૂર કરી વિનયન વિદ્યાશાખાને ભલામણ કરવામાં આવે છે.

(બિડાણઃ ઉપર મુજબ )

ક્રમાંક : એસ./હિન્દી/પરિપત્ર/૨૯૫૨૪/૨૦૨૩
તા.૨૮–૧૧–૨૦૨૩

કુલસચિવ

પ્રતિ,
૧)વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષયની તમામ અનુસ્નાતક અભ્યાસક્રમ ચલાવતી કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ તથા ડિપાર્ટમેન્ટનાં વડાશ્રી....આપશ્રીની કોલેજના સંબંધિત શિક્ષકોને જાણ કરી અમલ કરવા સારૂ.
૨) અધ્યક્ષશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
૩)પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.

.....તરફ જાણ તેમજ અમલ સારૂ.

# वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

## एम.ए. हिंदी

## सेमेस्टर- 2

## (2023– 2024, 2024-2025 एवम् 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

## प्रश्नपत्र – 6. प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य Core Course-06

पाठ्य पुस्तकें : 1. कवितावली - तुलसीदास संपा.लाला भगवानदीन

2. दयाराम सतसई संपा.भगवतशरण अग्रवाल-महावीरसिंह चौहान (पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. तुलसी का जीवन-वृत्त, 'कवितावली' का काव्य-स्वरूप, 'कवितावली' का वस्तु-विधान, 'कवितावली' का 'उत्तरकाण्ड' का महत्त्व, 'कवितावली' का भाव और कला-पक्ष।

इकाई-2. 'दयाराम सतसई' में अभिव्यक्त प्रेम का स्वरूप, 'दयाराम सतसई' में अभिव्यक्त भक्ति और नीति, सतसई परंपरा में 'दयाराम सतसई' का स्थान, 'दयाराम सतसई' का कला-पक्ष।

इकाई-3. भक्तिकालः सगुण भक्ति-धारा और तुलसीदास. रामभक्ति-धाराः उद्भव और विकास।

इकाई-4. गुजराती मध्यकालीन काव्य-धारा, दयाराम का जीवन-परिचय एवम् रचनाएँ।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न ( 13 x 2 = 26 अंक )

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)( 07 x 2 = 14 अंक )

सहायक ग्रंथ :


१. तुलसी-संपा. उदयभानु सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)

२. तुलसी की साधना-आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र

३. कवितावली-डॉ.योगेन्द्र प्रताप सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

४. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

५. तुलसीदास-नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)

६. तुलसीदास-संपा.डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

७. तुलसी काव्य मीमांसा-उदयभानु सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)

८. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)

९. हिन्दी सतसई परम्परा में दयाराम सतसई-रघुनाथ भट्ट (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

१०.प्राचिन कविओ अने तेमनी कृतिओ- संपा.रमणिक देसाई

११.मध्यकालीन गुजराती साहित्यनो तिहास-डॉ.रमेश त्रिवेदी

१२.दयाराम सतसई: मध्यकालीन गुजराती कवि की व्रजभाषा सतसई (साहित्य भावना प्रकाशन प्रा.लि.)

१३.सतसई परम्परा में बिहारी सतसई और दयाराम सतसई-शशिप्रभा जैन (नमन प्रकाशन)


*******

डॉ.सतीश पटेल दि.21/11/2023

## प्रश्नपत्र -7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-07

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 प्लेटो - काव्य-सिद्धांत , अरस्तू - अनुकरण-सिद्धांत, लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा , ज्योर्ज लुकाच की यथार्थवादी दृष्टि और साहित्य रूप।

इकाई-2 ड्राईड्रन के काव्य – सिद्धांत, वड्र्सवर्थ -काव्य-भाषा का सिद्धांत , हॅरिस का काव्य-चिंतन कॉलरिज -कल्पना-सिद्धांत और ललित-कल्पना, मैथ्यू आर्नल्ड -आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

इकाई-3 टी.एस.इलियट-परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत,वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य, आई.ए.रिचड्र्स - रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना, एफ.आर.लीविस-एक आलोचक के रूप में और सैमुअल जॉनसन की साहित्यिक मान्यताएँ।

इकाई-4. सिद्धांत और वाद-शास्त्रवाद,नव्यशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ-संरचनावाद, शैली-विज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक –एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक –एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :


१. अरस्तू का काव्य-शास्त्र-डॉ.नगेन्द्र
२. काव्य में उदात्त-तत्व-डॉ.महेन्द्र चतुर्वेदी
३. उदात्त के बारे में-डॉ.निर्मला जैन
४. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र
५. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र
६. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
७. कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिंह
८. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार,दिल्ली)
९. उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
१०. उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी


*******

डॉ.सतीश पटेल दि.21/11/2023

## प्रश्नपत्र - 8 प्रयोजनमूलक हिंदी : भाग – 2.Core Course-08

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई–1. मीडिया लेखन:

जनसंचार- प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ।
विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।
साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

इकाई- 2. न्यू एवम् सोशल मीडिया :

न्यू मीडियाः अभिप्राय एवम् विविध रूप।
सोशल मीडियाः माध्यम का स्वरूप-एक अपरंपरागत मीडिया
सोशल मीडिया के प्रकार-ट्विटर, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम
सोशल मीडिया का प्रभाव-सामाजिक, राजनीतिक,सांस्कृतिक, शैक्षिक।
सोशल मीडिया की भाषा।

इकाई-3. अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार:

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।
हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।

इकाई-4. व्यावहारिक -अनुवाद-अभ्यास :

व्यावहारिक -अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।
कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ,पदनाम, विभाग,पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, सारानुवाद।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1. पठित 1, 2 और 3 इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न ( 13 x 2 = 26 अंक )
प्रश्न 4. इकाई 3 में से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न ( 07 x 01 = 07 अंक )
इकाई 4 से (ब) एक – व्यावहारिक –अनुवाद (गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में ) के साथ
अथवा में एक कार्यालयी अनुवाद टिप्पणी का प्रश्न ( 07 x 01 = 07 अंक )

सहायक ग्रंथ :


१. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)
२. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)
३. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
४. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)
५. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
६. अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त
७. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
८. अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
९. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
१०.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
११.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
१२.समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
१३.संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
१४.सोशल नेटवर्किंगःकल और आज-राकेशकुमार (रीगी पब्लिकेशन)

डॉ.सतीश पटेल दि.21/11/2023

## प्रश्नपत्र - 9. A. आधुनिक हिंदी काव्य Course Course-09

पाठ्य-पुस्तकें: 1. परशुराम की प्रतीक्षा (काव्य-संग्रह) -रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्रकाशकः केदारनाथ सिंह,उदयाचल,राष्ट्रकवि दिनकर पथ,राजेन्द्रनगर,पटना-800016

2. अँधा युग-धर्मवीर भारती

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. परशुराम की प्रतीक्षा -'दिनकर'

'परशुराम की प्रतीक्षा' का काव्य- स्वरूप, 'परशुराम की प्रतीक्षा' का सन्देश , 'परशुराम की प्रतीक्षा'' की कविताओं में कवि के युद्ध संबंधी विचार, 'परशुराम की प्रतीक्षा' का भाव पक्ष और कलापक्ष । तथा

'दिनकर' की जवानियाँ, हिम्मत की रौशनी, लोहे के मर्द, जनता जगी हुई है, आज कसौटी पर गांधी की आग है, जौहर कविताओं का भाव और कला पक्ष तथा कविताओं में व्यक्त विचार।

इकाई-2. अँधा युग-धर्मवीर भारती

अँधायुग' युद्ध की विभीषिका दिखाने वाली रचना,अँधायुग' का काव्य-स्वरूप-काव्य-नाटक/गीति नाट्य,'अँधायुग' एक मिथकीय आख्यान के रूप में, 'अँधायुग' के प्रमुख पात्र, 'अँधायुग' का कला-पक्ष।

इकाई-3. 'दिनकर' की आपद्धम, पाद टिप्पणी, शांतिवादी, अहिंसावादी का युद्ध-गीत कविताओं का भाव और कला पक्ष तथा संदेश

इकाई-4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रबंध – काव्य- जनवादी काव्य, अँधायुग' में संवाद-योजना, उद्देश्य एवम् शीर्षक।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1.पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न ( 13 x 2 = 26 अंक )

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)( 07 x 2 = 14 अंक )

सहायक ग्रंथ :


१. दिनकर अर्धनारीश्वर कवि-नन्दकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
२. धूप छाँही दिनकर-शम्भूनाथ (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
३. युगचारण दिनकर-सावित्री सिन्हा
४. जनकवि दिनकर-सत्यकाम वर्मा
५. राष्ट्कवि दिनकर एवम् उनकी काव्य-कला-शिखरचंद्र जैन
६. दिनकर और उनकी काव्य-प्रवृत्तियाँ-डॉ.शिवचंद्र शर्मा, जनवाणी प्रकाशन, कलकत्ता
७. रामधारी सिंह दिनकर-मन्मथनाथ गुप्त, राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली
८. राष्ट्र कवि दिनकर-सं.डॉ.गोपाल, ग्रंथ निकेतन, पटना
९. नयी कविता के प्रबंध काव्या- शिल्प और जीवन दर्शन- डॉ उमाकान्त गुप्त
१०.साठोत्तरी हिन्दी कविता में जनवादी चेतना,- नरेन्द्रसिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

डॉ.सतीश पटेल दि.21/11/2023

११.समकालीन हिन्दी कविता- तिवारी, विश्वनाथप्रसाद ( लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१२.आधुनिक कविता का पुनर्पाठ-करुणासंकर उपाध्याय (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
१३.धर्मवीर भारती और उनका अँधायुग-श्री राकेश (प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ)
१४.अँधायुगः एक सृजनात्मक उपलब्धि-डॉ.सुरेश गौतम
१५.धर्मवीर भारतीः अनुभव और अभिव्यक्ति-लक्ष्मणदत्त गौतम

*******

डॉ.सतीश पटेल दि.21/11/2023

## अथवा

## प्रश्नपत्र - 9 . B. छायावादोत्तर Core Course-09

पाठ्य-पुस्तकें :

1. मधुबाला –हरिवंशराय 'बच्चन' (राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)
2. मिट्टी की बारात-शिवमंगल सिंह 'सुमन' (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. मधुबाला –'बच्चन'

बच्चन : जीवन-परिचय व रचनाएँ, यौवन के रस और ज्वार: 'मधुबाला' का मूल स्वर।

'मधुबाला' में अभिव्यक्त भाव, 'मधुबाला' में प्रतीकात्मकता,'मधुबाला': कला-पक्ष।

इकाई-2. मिट्टी की बारात- 'सुमन'

'मिट्टी की बारात में' अभिव्यक्त संवेदना,'मिट्टी की बारात में' कविताओं में व्यक्त समाजाभिमुखता के स्वर,'मिट्टी की बारात में' : एक प्रगतिवादी काव्य।

इकाई-3. हालावादी काव्य की विशेषताएँ , हिंदी साहित्य में हालावाद का स्थान।

इकाई-4. प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ, प्रगतिवाद के प्रमुख कवि।

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :


१. हिंदी-काव्य में प्रगतिवाद और अन्य निबंध-विजय शंकर मल्ल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
२. शिवमंगल सिंह सुमन : मनुष्य और सृष्टा-प्रभाकर श्रोत्रिय (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
३. कार्ल मार्क्स : कला और साहित्य चिंतन-नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
४. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
५. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
६. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
७. डॉ॰ हरिवंशराय बच्चन के काव्य में प्रतीक एवं बिम्ब विधान का आलोचनात्मक अध्ययन-सुधा दीक्षित
८. बच्चन: व्यक्तित्व और कवित्व-जीवन प्रकाश जोशी (सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली)
९. आज के लोकप्रिय कवि बच्चन-संपा.चंद्रगुप्त विद्यालंकार (राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)


*******

डॉ.सतीश पटेल दि.21/11/2023

## प्रश्नपत्र – 10. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन Core Course -10

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास,हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

इकाई-2 टी.वी. नाटक की तकनीक, संचार माध्यम के अन्य विविध रूप, टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी.धारावाहिक में साम्य-वैषम्य। पटकथा का अर्थ और परिभाषा,पटकथा लेखन में प्रतिभा,कल्पना और अभ्यास का महत्त्व।

इकाई-3. रेडियो नाटक की प्रविधि, रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक में अंतर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डॉक्यूमेंट्री फीचर)।

इकाई-4 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि,संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा, विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि,संचार माध्यमों की भाषा।

अंक विभाजन-

प्रश्न-1 पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न- 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न- 4 इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :


१. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
२. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
३. जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त
४. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
५. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ. हरिमोहन
६. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
७. मीडिया और बाजारवाद-रामशरण जोशी (राधाकृष्ण प्रकाशन)
८. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
९. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
१०.टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया-महाराज शाह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
११.इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)


*******

डॉ.सतीश पटेल दि.21/11/2023

# वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
## एम.ए. हिंदी
सेमेस्टर- 4

**(2023-2024, 2024-2025, 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)**

## प्रश्नपत्र -16. हिंदी भाषा  Core Course-16

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ,मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई-2. हिंदी की उपभाषाएँ और देवनागरी लिपि :हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी,बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ, खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानकीकरण।

इकाई-3. हिंदी का भाषिक स्वरूप :
हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार,हिंदी के स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण
हिंदी के विविध रूप-हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी।
हिंदी भाषा-प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, यांत्रिक भाषा।संचार-भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ।

इकाई-4. हिंदी कम्प्यूटीकरण :कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग-आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न ( 13 x 2 = 26 अंक )

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)( 07 x 2 = 14 अंक )

**सहायक ग्रंथ :**


१. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-डॉ.उदयनारायण तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
२. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
३. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी
४. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
५. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
६. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन
७. राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
८. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
९. आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)


*******



दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

## प्रश्नपत्र – 17. हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-17

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, सन् १८५७ ई. की राज-क्रांति और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु और उनका युग, महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग,राष्ट्रीय काव्य-धारा के प्रमुख कवि,स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि,छायावादी काव्य-प्रमुख साहित्यकार, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) के प्रमुख साहित्यकार,रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई- 2. हिंदी उपन्यास- प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष 2000 तक),हिंदी कहानी-20वीं सदी की हिंदी कहानी, प्रमुख कहानी आंदोलन एवम् प्रमुख कहानीकार, नाटक-हिंदी नाटक का विकास-स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग एवम् नया नाटक
प्रमुख नाट्यकृतियाँ एवम् नाटककार (वर्ष 2000 तक)।

इकाई- 3. हिंदी निबंध-प्रमुख निबंधकार।

आलोचना-समकालीन हिंदी आलोचना, प्रमुख आलोचक।
हिंदी का प्रवासी साहित्य-अवधारणा एवम् प्रमुख साहित्यकार।

इकाई-4. अन्य विधाएँ- संस्मरण,रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा,रिपोर्ताज का विकास।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न ( 13 x 2 = 26 अंक )

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)( 07 x 2 = 14 अंक )

सहायक ग्रंथ :


१. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
२. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
३. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
४. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
५. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-2 डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
६. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
७. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
८. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास पुनर्लेखन की आवश्यकता-पुखराज मारू (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
१०.हिन्दी आलोचना : समकालीन परिदृश्य-कृष्णदत्त पालीवाल (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
११.हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)


*******



दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

## प्रश्नपत्र -18. भारतीय साहित्य Core Course-18

पाठ्य-पुस्तकें :

1. संस्कार-यू.आर.अनंतमूर्ति (कन्नड़ उपन्यास) राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भारत के अमर क्रांतिकारीः वीर सावरकर-डॉ.भवानसिंह राणा
   (डायमण्ड पब्लिकेशंस, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. संस्कार-यू.आर.अनंतमूर्ति

यू.आर.अनंतमूर्ति व्यक्तित्व और कृतित्व, 'संस्कार' कथावस्तु और शीर्षक की सार्थकता का मूल्यांकन, 'संस्कार' प्रमुख पात्र-प्राणेशाचार्य, नारणप्पा, पुट्ट, चन्द्री, 'संस्कार' का शिल्प-पक्ष।

इकाई-2. वीर सावरकर- डॉ.भवानसिंह राणा

'वीर सावरकर' का साहित्यिक स्वरूप

वीर सावरकर: प्रथम क्रांतिकारी

'वीर सावरकर': एक हिंदू राष्ट्रवादी

'वीर सावरकर': में व्यक्त सावरकर-दर्शन।

इकाई- 3. 'संस्कार' उपन्यास के गौण पात्रों का चित्रण, 'संस्कार' शीर्षक की सार्थकता, 'संस्कार' का देश काल-वातावरण, 'संस्कार' की संवाद योजना,

इकाई- 4 . जीवनी का स्वरूप। जीवनी, साहित्य में 'वीर सावरकर' का स्थान।

'वीर सावरकर' शीर्षक की सार्थकता, 'वीर सावरकर' का भाषा -शिल्प |

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :


१. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा.आलोक गुप्त (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
२. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
३. गुजराती नवलकथामां पात्र-निरूपण-रमेश दवे
४. भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
५. भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्राम केन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
६. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)
७. कला, साहित्य और संस्कृति-ई-एम.एस.नम्बूदरीपाद (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
८. भारतीय साहित्य-मूलचन्द गौतम (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
९. भारतीय साहित्य की भूमिका-रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
१०. मराठी साहित्य-परिदृश्य-चमदिरकांत बांदिवडेकर (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
११. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष-डॉ.अर्जुन चव्हाण (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
१२. ज्ञानपीठ पुरस्कृत नवलकथा-डॉ.भरत महेता गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर


*******



दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

## प्रश्नपत्र – 19. A. आदिवासी साहित्य Core Course-19

पाठ्य-पुस्तकें :

1. नगाडे की तरह बजते हैं शब्द-निर्मला पुतुल (संताली कविताएँ) (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)
2. धूणी तपे तीर-हरिराम मीणा

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. नगाडे की तरह बजते हैं शब्द- निर्मला पुतुल

'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में आदिवासी समाज की पीड़ा, अत्याचार शोषण के ख़िलाफ़ आवाज़, 'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में वर्तमान आदिवासी, समाज की संवेदना, 'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में स्वयं के अस्तित्व की तलाश करती आदिवासी स्त्री

इकाई-2. धूणी तपे तीर-हरिराम मीणा

'धूणी तपे तीर' में ऐतिहासिकता, 'धूणी तपे तीर': एक स्वातंत्र्य-संघर्ष के आख्यान के रूप में, गोविन्द गुरु का चरित्रांकन, 'धूणी तपे तीर': आदिवासियों के विद्रोह और नरसंहार की कथा।

इकाई-3. आदिवासी साहित्य की अवधारणा, प्रमुख आदिवासी साहित्यकार, आदिवासी साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई-4. 'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में सभ्य शहरी समाज पर व्यंग्य,

'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में पुरुष व्यवस्था के प्रति विद्रोह,

'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' शीर्षक की सार्थकता,

'धूणी तपे तीर' का उद्देश्य और शीर्षक, सम्प सभा, पूंजा धीर का पात्र।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :


१. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी संपा.रमणिका गुप्ता (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
२. आदिवासी साहित्य विमर्श-गंगा सहाय मीणा (अनामिका पब्लिशर्स एण्ड ड्रिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली)
३. हिंदी में आदिवासी साहित्य-डॉ.इस्पाक अली (साहित्य संस्थान गाजियाबाद)
४. इस्पातिका, आदिवासी विशेषांक,वोलियम 1, जमशेदपुर
५. उपन्यासों में आदिवासी भारत-रमेशचंद्र मीणा (अलख प्रकाशन, जयपुर)
६. आदिवासी समाज और हिंदी उपन्यास- मनीष कुमार गुप्ता, अनुसंधान पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर
७. आदिवासी साहित्यः परंपरा और प्रयोजन-वंदना टेटे (न्नोशन प्रेस)
८. आदिवासी दर्शन और साहित्य- वंदना टेटे (न्नोशन प्रेस)
९. आदिवासी समाज, साहित्य और राजनीति-केदार प्रसाद मीणा (अनुज्ञा प्रकाशन)




दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

**अथवा**

## प्रश्नपत्र- 19. B. हिंदी कथेतर साहित्य Core Course-19

पाठ्य-पुस्तकें : 1. अतीत के चलचित्र-महादेवी वर्मा (भारती भंडार, इलाहाबाद)

2. घुमक्कड शास्त्र–राहुल सांकृत्यायन (राजक्मल प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. अतीत के चलचित्र-महादेवी वर्मा

रेखाचित्र के रूप में 'अतीत के चलचित्र' का मूल्यांकन

'अतीत के चलचित्र' के रेखाचित्रों की विशेषताएँ

'अतीत के चलचित्र' की भाषा-शैली

'अतीत के चलचित्र' में अभिव्यक्त महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व।

इकाई- 2. राहुल सांकृत्यायन का परिचय

यात्रा-साहित्य के पितामह- राहुल सांकृत्यायन

'घुमक्कड़-शास्त्र' में अभिव्यक्त राहुल जी के अनुभव

'घुमक्कड शास्त्र' में अभिव्यक्त घुमक्कडों के प्रकार व गुण

'घुमक्कड शास्त्र' की भाषा-शैली।

इकाई- 3. रेखाचित्र का उद्भव और विकास, घीसा, बदलू, अलोपी, रामा का चरित्र-चित्रण।

'अतीत के चलचित्र' शीर्षक की सार्थकता।

इकाई- 4. यात्रा-वृतांतः उद्भव और विकास, यात्रा वृत्तांत की विशेषताएँ, 'अथाचो घुमक्कड जिज्ञासा' का कथ्य, घुमक्कड के लिए चिकित्साशास्त्र की उपयोगिता, घुमक्कड के लिए नृत्य,वाद्य और संगीत का महत्त्व।

अंक विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) ( 07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :


१. महादेवी-इन्द्रनाथ मदान (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

२. हिंदी रेखा चित्र-कृपाशंकर सिंह (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)

३. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र-डॉ.मक्खन लाल (प्रेम शील प्रकाशन, दिल्ली)

४. हिंदी रेखा चित्र-डॉ.हरवंश लाल शर्मा (हिंदी समिति, सूचना विभाग,लखनऊ)

५. हिंदी का यात्रा-साहित्यः एक विहंगम दृष्टि-विश्व मोहन तिवारी (आलेख प्रकाशन, दिल्ली)

६. यात्रा साहित्य का उद्गम और विकास-डॉ.सुरेन्द्र माथुर (साहित्य प्रकाशन)


*******



दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

## प्रश्नपत्र- 20. पत्रकारिता – प्रशिक्षण Core Course- 20

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ एवम् साहित्यिक पत्रिकाएँ।
प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

इकाई-2. समाचारपत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत।
दृश्य-सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, गैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोअप) आदि की प्रविधि।

इकाई-3 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण-कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा।
पत्रकारिता का प्रबंधन-प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

इकाई-4. मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक-संपर्क तथा विज्ञापन, प्रसार-भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी ।

अंक -विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न ( 13 x 2 = 26 अंक )

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)( 07 x 2 = 14 अंक )

सहायक ग्रंथ :


१. हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास-अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)

२. हिंदी पत्रकारिताःस्वरूप और संदर्भ-विनोद गोदरे(वाणी प्रकाशन)

३. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)

४. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन)

५. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)

६. पत्रकारिताःविविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

७. पत्रकारिताः मिशन से मीडिया तक-अखिलेश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

८. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)

९. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन

१०.संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन

११.स्वाधीनता-आंदोलन और स्त्री-मुक्ति-संघर्ष में 'चाँद' का योगदान-डॉ.ज्योति सिंह (उत्कर्ष प्रकाशन, दिल्ली)

१२.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया

१३.पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी


==========



दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल